दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 02 | हरिद्वार | शनिवार, 11 जनवरी, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

मुख्यमंत्री धामी ने बरेली में किया 29वें उत्तरायणी मेले का शुभारंभ

उत्तरायणी मेले का सांस्कृतिक, व्यापारिक और ऐतिहासिक महत्व बताया

जतिन शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बरेली पुलिस लाइन में 29वें उत्तरायणी मेले में प्रतिभाग करते हुए मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उत्तरायणी मेले का प्राचीन समय से ही व्यापक सांस्कृतिक, व्यापारिक और ऐतिहासिक महत्व रहा है। प्राचीन समय में जब संचार और आवागमन के साधन सीमित थे तो उस समय मेल-मिलाप, व्यापार, सूचना के आदान-प्रदान हेतु मेलों का बड़ा महत्व था। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर निर्माण, उज्जैन महाकाल मंदिर कॉरिडोर निर्माण, राम मंदिर निर्माण तथा विश्व पटल पर योग और भारत की प्राचीन विरासत का गुणगान इस बात के सुस्पष्ट प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में भी संस्कृति और विरासत के संरक्षण और संवर्धन में बहुत बड़े कार्य हो रहे हैं। केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण, बद्रीनाथ धाम का मास्टर प्लान तथा मानसखंड मंदिरमाला के अंतर्गत पौराणिक धार्मिक स्थलों और मंदिरों का नवनिर्माण और सौंदर्यकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हर वर्ष तीर्थाटन और धार्मिक पर्यटनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और आने वाले समय में इसमें और भी बढ़ोतरी की संभावना है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए हम उत्तराखंड में बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हरिद्वार में गंगा कॉरिडोर बनाने का हमने संकल्प लिया है। पूर्णागिरी में %शारदा कॉरिडोर% निर्माण पर भी तेजी से काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उत्तराखंड को %वेडिंग डेस्टिनेशन% और %फिल्म शूटिंग हब% के रूप में भी विकसित करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में मातृशक्ति के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित हो रही है। लखपति दीदी योजना के माध्यम से हमने एक लाख महिलाओं को लखपति बनाया है। सवा लाख महिलाओं को और लखपति बनाने का लक्ष्य रखा है जिसके लिए उनको निःशुल्क ऋण की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। कहा कि उत्तराखंड की मातृशक्ति द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पादों को हमने देश-विदेश में एक विशेष ब्रांड %हाउस ऑफ़ हिमालयाज उत्तराखंड% के नाम से विक्रय करने का निर्णय लिया है। इससे महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत से उत्पादों को भी टक्कर दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने %देवभूमि को देवभूमि बनाए रखने% के लिए अनेक सख्त कानून बनाए हैं। किसी भी तरह के अपराध की रोकथाम, लैंड जेहाद, थूक जेहाद जैसे अनैतिक कृत्य पर लगाम लगाने के लिए सख्त वैधानिक प्रावधान किए हैं। धर्मांतरण रोकने के लिए धर्मांतरण कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले से ही वसूली के वैधानिक प्रावधान इत्यादि प्रावधान किए हैं। हम शीघ्र ही समान नागरिक संहिता का कानून देने जा रहे हैं जो गंगा की भांति पूरे देश को लाभान्वित करेगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनमानस और उत्तरायणी मेला समिति को मकर संक्रांति, घुघुती त्यौहार और उत्तरायणी मेले की शुभकामनाएं देते हुए आगामी 28 जनवरी से उत्तराखंड में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलो में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित भी किया। इस दौरान सांसद बरेली छत्रपाल सिंह गंगवार, स्थानीय विधायक संजीव अग्रवाल, महापौर उमेश गौतम आदि उपस्थित थे।

मसूरी में व्यापारिडुयों ने दुकान बंद रखकर किया प्रदर्शन

देहरादून। लाइब्रेरी क्षेत्र के व्यापारियों ने मालरोड के किनारे लग रही पटरी से व्यापार प्रभावित होने के विरोध में आधे दिन बाजार बंद रखा। आक्रोशित व्यापारियों ने धरना देकर नगर प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। एसडीएम को ज्ञापन भेजकर मांग की गई है कि मसूरी को विनाश से बचाने के लिए मालरोड को पटरी मुक्त बनाया जाय। लाइब्रेरी के दुकानदारों ने माल रोड पर लग रही पटरी के विरोध में आधे दिन का बंद रखा और बड़ी संख्या में एकत्र होकर गांधी चौक पर धरना दिया, प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। व्यापारियों ने कहा गया कि मसूरी विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी है, लेकिन विगत वर्षों से लगातार मालरोड पर पटरी लगायी जा रही है, जिसके कारण अव्यवस्था फैल गयी है। पूर्व में भी तत्कालीन एसडीएम दीपक सैनी से वार्ता की थी, उन्होंने मालरोड से पटरी हटाने का प्रयास किया, लेकिन उनके जाने के बाद फिर से पटरी लग गई। इस मौके पर व्यापारी भगवती प्रसाद सकलानी ने कहा कि मालरोड पर पटरी बर्दास्त नही की जायेगी और अब स्कूटी और वाहन चलने से पूरी मालरोड अव्यवस्थित हो गई। वहीं, एक एक परिवार की कई कई पटरी लग रही है, प्रशासन से लगातार कहा जा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं, जिसके कारण व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। त्रिभुवन मित्तल ने कहा कि मालरोड पर पटरी के साथ ही लगातार स्कूटियों की संख्या बढ़ने से अव्यवस्था फैल गयी है, इसके लिए प्रशासन को वेडिंग जोन बनाना चाहिए।

गुरुकृपा दर्पण
(राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की।
सम्पर्क करें –
9410731129, 9548880101

डीएम बंसल ने की स्मार्ट सिटी के संचालित कार्यों की समीक्षा

देहरादून। जिलाधिकारी/मुख्य कार्यकारी अधिकारी सविन बंसल ने विकास भवन सभागार में स्मार्ट सिटी के संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इस बरसात आईएसबीटी पर हों बाढ जैसे हालात, अधिकारियों को वाटररूट डिजाईन के अन्तर्गत कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं वाटररूट डिजाईन एवं ढाल एवं ड्रेनेज प्लान बनाते हुए कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खुद बनाया सीईओ स्मार्ट सिटी का कार्यभार ग्रहण करने के 15 दिन के भीतर ठीक कराए 98 सीसीटीवी कैमरे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ जिलाधिकारी ने स्मार्ट सिटी अन्तर्गत संचालित ग्रीन बिल्डिंग कार्यों के वर्क प्लान के अनुसार प्रगति का प्रजेन्टेशन देने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए भविष्य में वर्कप्लान के साथ बैठक में आने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों की पूर्ण होने की तिथि को अपनी ओर से ही निर्धारित समयावधि से दो माह देर दिखाने पर पूछा यह टाइमलाईन किसने निर्धारित की। उन्होंने एसीईओ स्मार्ट सिटी लि० को निर्देशित किया ग्रीन बिल्डिंग के कार्य वर्क एवं लेबर प्लान के अनुसार संचालित हो रहे का नियमित निरीक्षण करें। जिलाधिकारी ने स्मार्ट सिटी अन्तर्गत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेने पर बताया किया गया कि 114 कैमरे ऑफलाईन है, जिनमें बीएसएनएल के कार्यो से 11, एचपी के कार्यों से 19 तथा यूपीसीएल के कार्यों से 15 कैमरे अस्थाई रूप से ऑफलाईन है, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित से समन्वय करते हुए कैमरे आनलाईन करने के निर्देश दिए तथा शेष साथ ही जो कैमरे पीआईयू वर्क के कारण लम्बित है उन्हें एक सप्ताह के भीतर सुचारू करते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

विपक्ष की भूमिका निष्प्रभावी

सम्पादक –
देवेन्द्र जौहरी

कांग्रेस सत्तारूढ़ दल की कार्य संस्कृति के दुष्चक्र में फंस गई है, जिसे प्रतीकित करने वाले सूत्र वाक्य कांग्रेस की एक महिला नेत्री ने कहा था, जो अब पार्टी छोड़ कर चली गई हैं। उन्होंने कहा था कि, कांग्रेस सत्ता में रहती है या सत्ता के इंतजार में रहती है'। यही कारण है कि कांग्रेस कभी विपक्ष की पार्टी के तौर पर प्रभावी तरीके से काम नहीं कर पाती है। केंद्र से लेकर प्रदेश और जिला स्तर तक के नेता यह मानते हैं कि सत्ता उनका अधिकार है और अभी जो लोग सत्ता में हैं उनको राज करना नहीं आता है। वे अपनी गलतियों के चलते सत्ता से विदा हो जाएंगे और तब कांग्रेस को सत्ता मिल जाएगी। इस मानसिकता की वजह से कांग्रेस अपने संगठन को सडक़ पर उतर कर सत्तापक्ष से लडऩे वाली मजबूती नहीं दे पाती है। संगठन के मामले में कांग्रेस की दूसरी कमजोरी यह है कि उसके शीर्ष नेताओं का पार्टी के कार्यकर्ताओं और प्रदेश, जिला व प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों से संवाद खत्म हो गया है।

9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर ऋषिकेश विधानसभा के प्रवासियों को सम्मानित किया। गुरुवार को मंत्री डॉ अग्रवाल ने जर्मनी में कार्यरत श्यामपुर निवासी प्रवासी धीरेंद्र सिंह रावत, साउथ अफ्रीका में कार्यरत भल्लाफार्म निवासी प्रवासी क्रांति सिंह रावत, कनाडा में कार्यरत छिद्दरवाला निवासी प्रवासी रोशन रावत, आर्यन रावत, विनोद रावत, जापान में कार्यरत मोहन लाल जोशी तथा गुमानीवाला निवासी विनोद भट्ट को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 9 जनवरी 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत वापसी की थी और यहां आकर देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि गांधी जी के भारत आगमन की याद में 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जा रहा है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रवासी दिवस पर उन भारतीयों को समर्पित है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में विदेश में विशेष उपलब्धि हासिल कर भारत का मान सम्मान बढ़ाया है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य प्रवासी भारतीय को देशवासियों के साथ बातचीत के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है, जिससे प्रवासी भारतीयों का एक नेटवर्क बन सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सतीश सिंह, मण्डल अध्यक्ष सुमित पंवार, जिला उपाध्यक्ष दिनेश सती, मण्डल कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, संजीव पाल, विनायक कुमार, लविश पाल आदि उपस्थित रहे।

पंजाबी समाज की उत्तराखंड के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका-मदन कौशिक

हरिद्वार। उत्तरांचल पंजाबी महासभा हरिद्वार द्वारा ज्वालापुर इंटर कॉलेज में प्रवेश 25 वां लोहड़ी महापर्व धूमधाम से मनाया गया। मेले में बड़ी तादाद में लोगों ने भाग लिया। मेले का मुख्य आकर्षण मशहूर पंजाबी गायक चन्नी रहे। चन्नी के गानों पर लोग जमकर थिरके। पंडाल में चारों ओर पंजाबी खानों के विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे। चन्नी के गानों के साथ-साथ लोगों ने पंजाबी खाने का भी लुफ्त उठाया। पंजाबी महासभा के लोहड़ी मेला के चेयरमैन अनिल कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लोहड़ी का पर्व जन सरोकारों से जुड़ा है और इस पर्व के साथ ही हिंदुओं के पर्वो का शुभारंभ होता है। उन्होंने कहा कि पंजाबी महासभा हरिद्वार का यह 25वां लोहड़ी महापर्व है। जो हमें सामाजिक दायित्वों, संस्कारों और आध्यात्मिक ऊर्जा की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि उत्तराखंड के विकास में पंजाबी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पंजाबी समाज ने कड़े संघर्ष करके समाज में अपना प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त किया। पंजाबी समाज का इतिहास प्रेरणादायक है। उन्होंने सभी को लोहड़ी महापर्व की शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि डीपीएस रानीपुर के प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम जग्गा ने कहा कि लोहड़ी महापर्व एक महत्वपूर्ण लोक पर्व है। जो समाज को जोड़ता है और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।लोहड़ी एकता और भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व है। पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने पंजाबी समाज की गौरव गाथा का वर्णन किया और सभी को लोक पर्व की शुभकामनाएं दी। उत्तरांचल पंजाबी महासभा हरिद्वार के जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार एवं महामंत्री प्रदीप कालरा ने कहा कि पंजाबी अपने संस्कारों एवं पर्वों के संरक्षण संवर्धन को लेकर एकजुट होकर काम करना चाहिए। इस अवसर पर उत्तरांचल पंजाबी महासभा हरिद्वार के जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार महामंत्री प्रदीप कालरा,पांधी, भाजपा की वरिष्ठ नेता विमल कुमार, समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा, संजय सहगल,विमलेश कुमार,सरदार गजेंद्र सिंह ओबेरॉय आदि मौजूद थे।

स्वामी विवेकानंद की स्मृति में में 11 जनवरी को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, कनखल में मनाया जाएगा युवा महोत्सव

हरिद्वार श्री रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम,कनखल के सचिव स्वामी दयामूर्त्यानन्द महाराज ने बताया कि मिशन द्वारा इस वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस की पूर्व संध्या पर 11जनवरी 2०25 को सुबह 1० बजे से दोपहर 12 बजे तक सेवाश्रम परिसर में एक समारोह का आयोजन किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों मिशन परिसर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में जिले भर के 17 स्कूलों के 4०० छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था, जो प्रतियोगिताएं एक महीने से अधिक समय तक विभिन्न दिनों में आयोजित की गई थी। स्वामी जी ने बताया कि ड्राइंग, क्विज़, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करने के लिए अतिथियों को आमंत्रित किया है। आमंत्रित अतिथियों में प्रोफेसर जितिन सिंगला, बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी रूड़की, श्री राज के अरोड़ा, प्रोपराइटर, मैसर्स सेफगार्ड इंडस्ट्रीज, सिडकुल, हरिद्वार एवं श्री अंकित नारंग, निदेशक, मैसर्स स्टिच सॉल्यूशन इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड, सिडकुल,हरिद्वार शामिल है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिनका युवाओं की क्षमता में अटूट विश्वास देश के युवा नागरिकों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

सी एफ एफ पी के प्रमुख रंजन कुमार को हीप के महाप्रबंधक ऑपरेशन का अतरिक्त प्रभार मिलने पर भोजपुरी लोक समिति ने किया अभिनंदन

हरिद्वार। भोजपुरी लोक समिति के पदाधिकारी ने एचएफएसपी के प्रमुख रंजन कुमार को हिप के महाप्रबंधक ऑपरेशन का अतिरिक्त प्रभार मिलने पर बधाई दी और पुष्प कुछ देकर उनका अभिनंदन भी किया। गौरतलब है कि फरवरी माह में हीप इकाई के कार्यपालक निदेशक टी एस मुरली सेवानिवृत्त होने वाले है । भेल के कार्पोरेट कार्यालय ने आदेश निकाल कर बताया की 24 फरवरी 225 को हीप के ई डी पद से

सेवानिवृत होने वाले टी एस मुरली अतरिक्त प्रभार देख रहे महाप्रबंधक ऑपरेशन , सी एफ एफ पी के प्रमुख रंजन कुमार को अपना पदभार सौंपेंगे । और रंजन कुमार ई डी की शक्तियों सहित भेल हीप के प्रमुख कहलायेंगे ।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

दलित-आदिवासी उत्पीडन् की प्रयोगशाला बना मध्य प्रदेश

कमलनाथ

अगर देश के किसी गाँव में किसी व्यक्ति को जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया जाता है तो समझ लीजिए वहाँ आज़ादी नहीं पहुँची। वह गाँव आज़ाद नहीं है। आज़ादी के कुछ वर्ष बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल क़िले की प्राचीर से यह बात कही थी। और आज भी देश या प्रदेश के विकास का सबसे बड़ा पैमाना यही है कि किसी प्रदेश में दलितों और आदिवासियों की स्थिति कैसी है कहीं उनके ऊपर अत्याचार तो नहीं हो रहे हैं दुर्भाग्य से हम देखते हैं तो मध्य प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है जहाँ 20 वर्ष से भाजपा की सरकार है और जहाँ दलितों और आदिवासियों का सबसे अधिक उत्पीडन् हो रहा है। इन अत्याचारों की मुख्य वजह यह है कि भारतीय जनता पार्टी का चरित्र ही दलित, आदिवासी और संविधान विरोधी है। एक तरफ़ संसद में भाजपा नेता और गृह मंत्री अमित शाह संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का अपमान करते हैं और दूसरी तरफ़ बीजेपी राज में दलितों को लाठियों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतारा जा रहा है। पुलिस कस्टडी में दलित आदिवासियों की मौत हो रही हैं। दलितों, आदिवासियों की कब्रगाह बना मध्यप्रदेश दलितों पर अत्याचार के मामले में तीसरे स्थान पर है। पिछले दिनों शिवपुरी जिले के इंदरगढ़ गांव का दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया, जहाँ दबंगों ने दलित नारद जाटव को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। मध्य प्रदेश के देवास जिले में एक दलित बेटे की हत्या कर दी गई। इछावर में दलितों को मंदिर जाने से रोका गया। दलितों को आतंकित करने वाली ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। लेकिन सरकार चुप्पी साधे है। सतवास में दलित की हत्या पर सरकार मौन है। पिछले एक साल में प्रदेश में दलितों पर काफी अत्याचार हुए हैं। वह चाहे शिवपुरी की घटना हो या सागर की घटना हो। मध्यप्रदेश के सागर जिले के ग्राम बरोदिया नोनागिर में दलित युवती द्वारा छेड़छाड़ की शिकायत से गुस्साए गुंडों ने युवती के भाई नितिन अहिरवार की पिछले वर्ष अगस्त माह में हत्या कर दी थी। हत्या में बीजेपी नेताओं की संलिप्तता सामने आई थी। पीड़ित परिवार समझौते के लिये तैयार नहीं हुआ तो दो दिन पूर्व पीड़िता के चाचा राजेंद्र अहिरवार की भी हत्या कर दी गई। मंदसौर जिले के एक गांव में एक महिला का पीछा करने के आरोप में दलित व्यक्ति को चेहरा काला करके, गले में जूतों की माला डालकर घुमाया गया। इन घटनाओं के बाद एक बार फिर साबित हो गया था कि प्रदेश में दलित वर्ग सुरक्षित नहीं है। यह दोनों घटनाएं तो सिर्फ ऐसी थी जो सुर्खियों में ज्यादा रहीं लेकिन ऐसी न जाने हजारों घटनाएं हैं जो रोज दलितों से साथ घट रही हैं। हम जानते हैं कि प्रदेश में दलित आदिवासियों की संख्या ज्यादा है। वे प्रदेश के बहुत बड़े क्षेत्र में निवासरत हैं। इन्हें भी आत्म सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। यह सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह उन्हें सुरक्षा प्रदान करें। लेकिन रोज आदिवासियों के शोषण की घटनाओं से तो यही लगता है कि भाजपा सरकार इन्हें अपना वर्ग मानती ही नहीं है। अगर हम नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों को देखें तो प्रदेश में दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार के मामले में लगातार बढ़ोतरी हुई है। साल 2021 में प्रदेश में एससी/एसटी एक्ट के तहत 02 हज़ार 627 मामले दर्ज हुए थे। वहीं, दलितों पर अत्याचार के 07 हज़ार 214 मामले दर्ज किए गए। ऐसे कई मामले सामने आए जो देश भर में चर्चा का विषय बने। इनमें सबसे ज़्यादा सीधी के पेशाब कांड को लोग जानते हैं। एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें भाजपा कार्यकर्ता प्रवेश शुक्ला एक आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब कर रहा था। दलितों पर अत्याचार के कई दूसरे मामले भी सामने आए जब मध्यप्रदेश में दलित और आदिवासियों के साथ अत्याचार किया गया था। दलितों और आदिवासियों के लिए काम करने वाले लोगों का मानना है कि इस तरह से यदि इनकी अस्मिता और अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया जाता रहा तो इनकी स्थिति और बदतर हो जाएगी। मध्य प्रदेश पहले ही महिला अत्याचार के मामलों के कारण शर्मसार होता रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों की बात करें तो साल 2022 में आदिवासियों के ऊपर हुए अत्याचारों के 2979 मामले सामने आए जो कि पिछले साल के क्राइम के मुकाबले में 13 फीसदी अधिक थे। इसमें तीन साल से प्रदेश टॉप पर बना हुआ है। 2,521 मामलों के साथ राजस्थान दूसरे और 742 मामलों के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। इन तीन सालों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।विजयपुर में विधानसभा उपचुनाव के दौरान आदिवासियों के घर जलाए गए। प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की चीज बची ही नहीं है। राज्य में जो हत्याएं और यातनाएं हो रही हैं, उससे भारतीय जनता पार्टी का चेहरा बार-बार बेनकाब हो रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े कहते हैं कि पिछले तीन से चार साल में पांच लाख दलित और आदिवासी बहनें गायब हुई हैं। देश भर में साल 2022 में एसटी के खिलाफ अपराध के कम से कम 10,064 मामले दर्ज किए गए, जो 14.3त्न की वार्षिक वृद्धि है। इसके साथ ही प्रदेश में इस केटेगरी में क्राइम रेश्यो साल 2021 में 8.4 फीसदी से बढक़र साल 2022 में 9.6 हो गया है। एससी अपराध की बात की जाए तो सामान्य चोट के 1607 मामलें और गंभीर चोट के 52 तो वहीं, हत्या के 61 मामले सामने आए है। देश का दुर्भाग्य है कि दलितों के साथ अपराध के मामलों में उच्च स्थान पर है। यह स्थिति तब है, जब प्रदेश में भाजपा पिछले 20 वर्षों से सत्ता में है। भाजपा का शासन दलित-विरोधी नीतियों और संविधान-विरोधी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है। अत्याचारियों को सजा देने के बजाय उन्हें राजनीतिक संरक्षण दिया जाता है। यह लड़ाई अब केवल अन्याय के खिलाफ नहीं, बल्कि दलितों की गरिमा और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। पूरी कांग्रेस पार्टी इन अत्याचारों के खिलाफ मजबूती से खड़ी है और हर दलित भाई-बहन को न्याय दिलाने के लिए हर संभव संघर्ष करेगी। न्याय की इस लड़ाई में कांग्रेस एक कदम भी पीछे नहीं हटेगी।इन सब घटनाओं को लेकर कांग्रेस द्वारा संविधान की रक्षा के लिए 25 जनवरी 2025 को महू में 'जय भीम-जय संविधान, जय बापू' आयोजन किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सभी सीडब्ल्यूसी मेंबर समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। दुर्भाग्य की बात है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दलितों पर होने वाले अत्याचार और शोषण को लेकर कुछ भी कहने से बचते हैं। वे दलितों की सुरक्षा करना ही नहीं चाहते। प्रदेश का गृह विभाग मुख्यमंत्री के पास है। मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था लचर होने से दलित आदिवासियों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। यह मुख्यमंत्री का दायित्व है कि ऐसे संवेदनशील मामलों पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए। आज प्रदेश में इस वर्ग में जो दहशत और दवाब का माहौल पनप रहा है उस पर अंकुश लग सके।

देश के दुलारे सनातन धर्म की सच्ची शिक्षा इन्द्रेश जी

संदीप जोशी

वृंदावन की व्यासपीठ के 26 वर्षीय युवा इंद्रेशजी जनमानस के आत्मविकास में लगे हुए हैं। भक्तिपथ पर चलने वाले इंद्रेश जी जब वृंदावन प्यारो वृंदावन गाते हैं तो सुनने वाले स्वभाव में वृंदावन ही पहुंच जाते हैं। वे सुर-राग के धनी हैं तो रस-भाव के भी धनी हैं। इन्द्रेश जी के छवि चित्र में ही उनका चरित्र भाव दिखता है। आज जब पंथ-जमात के कई प्रतिष्ठित हुए व लोकप्रिय माने गए गुरु जेल में अपने कर्मों की सजा भुगत रहे हैं तो भागवत कथाकार इन्द्रेश जी सभी का मन मोह रहे हैं। नया साल नई संभावनाएं लिए आता है। समय कैसा भी रहे अपन समाज के प्रति अपनी आशा तो बनाए रख ही सकते हैं। समाज से संवाद तो चलाया जा ही सकता है। समाज से ही निकले सभ्य-सुशील लोग नयी समय-समझ गढऩे में भी लगते हैं। उनके नए संवाद से भी समाज की समझ बनती-बढ़ती है। इसलिए आशा है समाज में श्रद्धा, सौहार्द और विवेक का माहौल बने। भौतिक विकास के साथ आत्मिक विकास भी हो। वृंदावन की व्यासपीठ के 26 वर्षीय युवा इंद्रेश जी जनमानस के आत्मविकास में लगे देखे जा सकते हैं। किसी का भी अस्तित्व तो उसकी सच्ची आस्था के आत्मविश्वास से ही प्रकट होता है। वही आस्था जो हमारे जीवन के अर्थ व हमारे रोजमर्रा के कामों से प्रदर्शित होती है। और फिर हमारे वही अर्थपूर्ण कामकाज ही हमें प्रतिष्ठित व लोकप्रिय बनाते है। मगर आकार से न हमारा अस्तित्व तय होता है न ही संख्या से हमारी सार्थकता। आज जब पंथ-जमात के कई प्रतिष्ठित हुए व लोकप्रिय माने गए गुरु जेल में अपने कर्मों की सजा भुगत रहे हैं तो भागवत कथाकार इन्द्रेश जी सभी का मन मोह रहे हैं। इसलिए सारे देश में इंद्रेश जी, इंद्रईश दुलारे हो गए हैं।

पिछले दिनों इन्द्रेश जी ने चंडीगढ़ में वृंदावन प्रकट उत्सव मनाया। वृंदावन का महिमामृत व भाव कहा व गाकर सुनाया। चंडीगढ़ के ही लोकप्रिय गायक-संगीतकार बी-प्राक ने इन्द्रेश जी को रस, रास और राग के महात्म्य के लिए बुलाया था। वृंदावन प्रकृति-प्रेम का प्रतीक है तो कुरुक्षेत्र गीता-ज्ञान का रणक्षेत्र। उसी से लगे चंडीगढ़ में इन्द्रेश जी वृंदावन के राधाकृष्ण प्रेम को उत्सव रूप में प्रकट कर रहे थे। अपने रसमय भागवत प्रेम के कथा-पाठ के साथ रागमय संगीत रच रहे थे। इन्द्रेश जी परंपरा से प्राप्त कृष्ण-प्रेम को नए युवाओं के लिए नवोदित चिंतन प्रदान करने में लगे हैं। बृज की सरससता से देश में समरसता जगाने में लगे हैं। भक्तिपथ पर चलने वाले इंद्रेश जी जब वृंदावन प्यारो वृंदावन गाते हैं तो सुनने वाले स्वभाव में वृंदावन ही पहुंच जाते हैं। वे सुर-राग के धनी हैं तो रस-भाव के भी धनी हैं। इन्द्रेश जी के छवि चित्र में ही उनका चरित्र भाव दिखता है। दिखने में पुरुषत्व सुंदरता लिए, इंद्रेश जी की वाणी सुर में सुरीली, राग में लचीली व भाव से भरी है। काले-घने लहराते केश से घिरा, नीचे साफ-चौड़ा माथा है। उनके चौड़े माथे पर सीधा चलता लाल तिलक उनके स्वरूप को कांति देता है। उनकी जुल्फों से नीचे निकलती लंबी कलम कान को खास आकार और चेहरे को साकार करती हैं। हंसमुख होंठ व गोल-गोल गाल कहने-सुनने के लिए आकर्षित करते हैं। उनकी कटीली भौंह उनकी प्रकाशमय आंखों को चमत्कर्ष बना देते हैं। एक ही कान में मोती उनको आज के युवा-युवती से जोड़ता है।

सर्दियों में ऐसे रखें आंखों का ख्याल, नहीं होगी खुजली-जलन जैसी समस्याएं!

सर्दियों का मौसम आते ही संक्रमण और बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. इस मौसम में सर्दी-खांसी बुखार और वायरल के साथ ही ठंड का असर आंखों पर भी पड़ता है. जिसे नजरंदाज नहीं करना चाहिए. सर्दी के मौसम में ठंड हवाओं के चलने, धूप कम निकलने से आंखें ड्राई हो सकती हैं, आंखों में खुजली और जलन हो सकती है. इसके साथ ही कई समस्याएं होती हैं. ऐसे में नेत्र स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा कुछ सुझाव दिए गए हैं, जिनकी सहायता से आप अपनी आंखों की देखभाल कर सकते हैं. आइए जानते हैं...

त्राटक का अभ्यास करें

सर्दियों में त्राटक का अभ्यास सबसे सरल और सबसे असरदार अभ्यासों में से एक है. इसका अभ्यास करने से ध्यान बढ़ता है और आँखों का स्वास्थ्य भी बेहतर होता है. त्राटक करने के लिए आपको मोमबत्ती को 2 से 3 फीट की दूरी पर रखना है और लगातार मोमबत्ती की रोशनी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. ऐसा करने से आपकी आंखें हेल्दी रहेंगी.

पामिंग

कॉर्पोरेट कंपनी में लैपटॉप पर लंबे समय तक काम करने का वजह से स्क्रीन टाइमिंग बढ़ जाती है. जो किआंखों के लिए काफी खतरनाक माना जाता है. तनाव ग्रस्त आंखों को आराम देने के लिए पामिंग सबसे अच्छी अभ्यासों में से एक है. इसके लिए सबसे पहले आप अपनी हथेलियों को आपस में तेजी से रगड़ें और फिर बिना कोई दबाव डाले उन्हें बंद आंखों पर रखें. ऐसा 1 से 2 मिनट तक करें जिससे आंखों की थकान और ड्राईनेस कम हो जाए.

आंखों पर पानी के छीटें मारें

सर्दियों में आंखें बंद करके छीटें मारने से आंखों की ड्राईनेस कम होती है साथ ही जलन और खुजली में भी राहत मिलती है. आंखों में पानी से छींटे मारने से कचरा साफ हो जाता है. एक्सपर्ट का मानना हैं कि रोजाना अपनी डाइट में विटामिन ए और फाइबर से भरपूर चीजों जैसे- गाजर, पालक और शकरकंद का सेवन करें साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं.

मंत्री हरदीप पुरी के आश्वासन से लगभग तय हुआ मिलना स्पॉन्सरशिप

जतिन शर्मा

देहरादून/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को उत्तराखंड में होने जा रहे राष्ट्रीय खेलों के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने मंत्रालय के तहत आने वाले ओएनजीसी और आईओसी से राष्ट्रीय खेलों में सीएसआर में स्पॉन्सरशिप दिए जाने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा हर संभव सहायता की जाएगी। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा पर भी सीएसआर के लिए प्रोजेक्ट भेजने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद दिया।

सम्मानित हुए ज्योतिषी एवं विभूतियाँ

देहरादून। ज्योतिष महाकुम्भ – 2024 में परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी का मुख्य अतिथि व प्रमुख वक्ता के रूप में पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी की मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट अतिथियों, ज्योतिषाचार्यों, ग्राफिक एरा के समस्त सदस्यों और अनेक विभूतियों ने सहभाग किया। उत्तराखंड की पवित्र भूमि पर आयोजि त ज्योतिष महाकुम्भ – 2024 न केवल ज्योतिष क्षेत्र के ज्ञान को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है बल्कि ग्राफिक एरा में आयोजित यह भव्य आयोजन क्षेत्र के सम्मानित ज्योतिषाचार्यों का संगम भी बनकर उभरा है। यह आयोजन ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय के सिल्वर जुबली कान्वेंशन सेंटर में सम्पन्न हुआ, जिसमें देश-विदेश से आए ज्योतिषाचार्य, विशेषज्ञ, एवं विद्यार्थियों की सहभागिता रही। इस भव्य आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी की पवित्र उपस्थिति रही। स्वामी जी ने अपने उद्घाटन संबोधन में भारतीय संस्कृति, वेद, और ज्योतिष के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि ज्योतिष केवल भविष्यवाणी करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही मार्गदर्शन प्रदान करने वाला दिव्य विज्ञान है।

चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल का कैद

देहरादून। न्यायालय ने चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी को एक लाख रुपये अर्थदंड भी देना होगा। अपर जिला एवं सेशन जज/पोक्सो पंकज तोमर की अदालत ने मंगलवार को मामले में सुनवाई की। जानकारी के अनुसार, 27 नवंबर 2022 को पौटा साहब निवासी महिला ने प्रेमनगर थाने में तहरीर दी थी कि वो नवंबर 2022 में स्वास्थ्य खराब होने के कारण दो दिन के लिए देहरादून स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती हुई थी। पति उन्हें अस्पताल में भर्ती कर चार साल की बेटी के साथ रात रुकने के लिए अपने दोस्त अंकित जोशी पुत्र ललित मोहन जोशी निवासी गुरु नानक एनक्लेव प्रेमनगर के किराए के कमरे पर चले गए थे। दूसरे दिन अस्पताल से डिस्चार्ज होकर परिवार पौंटा साहब लौट गया। इस दौरान महिला ने देखा बच्ची के प्राइवेट पार्ट पर खून के निशान थे। घबराकर उन्होंने बेटी से किसी के द्वारा छोड़छाड़ किए जाने की बात पूछी। बच्ची ने बताया कि देहरादून में अंकित जोशी ने रात उसके साथ गलत काम किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर 27 जनवरी 2023 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। तमाम सबूतों, वकीलों की जिरह सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी अंकित को दोषी ठहराया और सजा सुनाई।

मेडिकल कॉलेज के पीपीपी मोड पर संचालित होने से मेडिकल छात्र नहीं होंगे प्रभावित

भर्ती मरीजों को भी आयुष्मान और सीजीएचएस की दरों के अनुसार मिलेगा उपचार

जतिन शर्मा

देहरादून/हरिद्वार। निदेशक, चिकित्सा शिक्षा, डॉ आशुतोष सयाना, ने बताया है कि हरिद्वार स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज के संचालन को पीपीपी मोड पर दिए जाने से अध्ययनरत छात्रों की फीस नहीं बढ़ेगी, साथ ही छात्रों को अन्य सभी सुविधाएं सरकारी भी मेडिकल कॉलेज के समान ही मिलती रहेंगी। डॉ आशुतोष सयाना ने कहा कि इसी सत्र से राजकीय मेडिकल कॉलेज, हरिद्वार में 1 एमबीबीएस सीटों की मंजूरी मिली है, अब यहां विधिवत पढाई भी शुरु हो गई है। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज के बेहतर संचालन और मरीजों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए, कॉलेज को पीपीपी मोड पर दिए जाने का निर्णय लिया गया है। लेकिन पीपीपी की शर्त में स्पष्ट किया गया है कि इससे अध्ययनरत छात्रों की फीस नहीं बढेगी, साथ ही छात्रों को मिलने वाले सभी शैक्षिक प्रमाणपत्र और डिग्रियों पर राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार ही दर्ज रहेगा। इसी तरह भर्ती होने वाले मरीजों को उनके कार्ड के अनुसार आयुष्मान कार्ड या सीजीएचएस की दरों पर ही उपचार दिया जाएगा। डॉ सयाना ने कहा कि पीपीपी मोड में दिए जाने मकसद सिर्फ अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की सुविधाओं को आधुनिक बनाना है। ताकि छात्रों और मरीजों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। इसलिए छात्रों या आम जन मानस को इस विषय में भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है।

राजकीय अनाज गोदाम के औचक निरीक्षण के दौरान स्टॉक पंजिका और भौतिक स्टॉक के बीच पाई गई भारी विसंगतियां

अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध की जाएगी कार्यवाही जिलाधिकारी हरिद्वार

हरिद्वार। जिलाधिकारी हरिद्वार कर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर ज्वालापुर स्थित राजकीय अनाज गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए खाद्यान्न की उपलब्धता और वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया था। निरीक्षण के दौरान स्टॉक पंजिका और भौतिक स्टॉक के बीच भारी विसंगतियां पाई गईं, जो गोदाम प्रबंधन की गंभीर लापरवाही को उजागर करती हैं।निरीक्षण में पाया गया कि 197 कट्टे गेहूं कम और 3736 कट्टे चावल अधिक पाए गए। इस गंभीर गड़बड़ी के संबंध में मौके पर उपस्थित वरिष्ठ विपणन निरीक्षक प्रशांत मैथानी और राहुल भट्ट से पूछताछ की गई, लेकिन वे कोई स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर देने में असफल रहे। निरीक्षण दल में मनीष कुमार सिंह (डिप्टी कलेक्टर), श्रीमती कुसुम चौहान (सिटी मजिस्ट्रेट), तेजबल सिंह (जिला पूर्ति अधिकारी), बिंदु नेगी (खाद्यान्न निरीक्षक), राजस्व उप निरीक्षक रविकांत, आशीष मामगाईं, और सुंदर तोमर सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं का विवरण तैयार कर इसकी विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी हरिद्वार को प्रेषित की गई है।जिलाधिकारी हरिद्वार ने इस गड़बड़ी पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, 卐राजकीय अनाज गोदामों का संचालन गरीब और जरूरतमंद वर्गों के लिए खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जाता है। ऐसी किसी भी लापरवाही को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान कर जल्द से जल्द उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।卐 यह औचक निरीक्षण प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसका उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लाभार्थियों तक खाद्यान्न की सही मात्रा में पहुंच सुनिश्चित करना है। इस कदम से भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी और लाभार्थियों का भरोसा बना रहेगा।

फैक्ट्रीकर्मी को सरेराह पीटा

हरिद्वार। ड्यूटी खत्म होने के बाद वापस लौट रहे एक फैक्ट्रीकर्मी की सरेराह बेरहमी से पिटाई कर दी गई। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि सभी ने उस पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर आरोपी फरार हो गए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com